एशियन जूनियर मुक्केबाजी: मोहित और सतेंद्र को करना पड़ा रजत से संतोष

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत को फिलीपींस के पुएर्टो प्रिंसेसा में चल रही एशियन जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में सोमवार को दो रजत पदक हासिल हुए। इससे पहले रविवार को भारत ने छह कांस्य पदक जीते थे। इस तरह भारत ने स्वर्ण पदक के बिना टूर्नामेंट में अपने अभियान का समापन दो रजत और छह कांस्य पदक के साथ किया। हालांकि भारत के मुक्केबाज मोहित खटाना (80 किग्रा) और सतेंद्र रावत (80 प्लस किग्रा) के पास सोमवार को फाइनल मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक जीतने का मौका था, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके और मुकाबला हारकर रजत पदक जीत पाए। सतेंद्र उज्बेकिस्तान के अलमतोव शोकरुख से स्वर्ण पदक मुकाबला गंवा बैठे, जबकि मोहित को कजाकिस्तान के तोगांबे सागंदीक ने मात दी। इससे पहले भारतीय मुक्केबाजों अंकित नरवाल (57 किग्रा), भावेश कट्टीमन्नी (52 किग्रा), सिद्धार्थ मलिक (48 किग्रा), विनीत दहिया (75 किग्रा), अक्षय सिवाच (60 किग्रा) और अमन सहरावत (70 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। वे अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले हार गए थे।

आधार कार्ड बीमा क्षेत्र के लिए अनिवार्य नहीं

नई दिल्ली,(आरएनएस)। बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बताया है कि बीमा क्षेत्र में केवाइसी (नो योर कस्टमर) के लिए आधार अनिवार्य नहीं है। लेकिन यह केवाईसी डॉक्यूमेंट का सबसे सरल रूप है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण इरडा के चेयरमैन टी एस विजयन ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हालांकि आधार बीमा क्षेत्र के लिए अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह सबसे सरल है। सरकारी स्तर पर वे सभी केवाईसी के लिए एक प्लेटफार्म तैयार कर रहे हैं। लेकिन आधार से ज्यादा सरल क्या हो सकता है। टी एस विजयन से जब लिस्टेड कंपनियों में जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शेयरहोल्डिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि निवेश के नियम 15 फीसद है। लेकिन कई बार विशिष्ट परिस्थितियों में इससे अधिक निवेश की भी छूट दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा, सभी तरह का निवेश पॉलिसीधारकों और निवेशकों के हितों के लिए होना चाहिए। कंपनियों को धन रोकना नहीं चाहिए। उन्हें फंड का इस्तेमाल पॉलिसीधारकों के लिए करना चाहिए। विजयन से जब डिस्ट्रीब्यूशन की बात की गई तो उन्होंने कहा कि उद्योग को डिस्ट्रीब्यूशन मजबूत करने लिए तकनीक और ह्यूमन टच को मर्ज कर काम करना होगा। उन्होंने कहा, हमें समझना होगा की करीब 20 लाख से ज्यादा लोगों को आय डिस्ट्रीब्यूशन से होती है। यदि तकनीक अच्छे से अपना भी लिया जाए तब भी बीमा प्रोडक्ट्स के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए मानव हस्तक्षेप की जरूरत होगी।

गोल्ड के दाम में फिलहाल बड़े उतार-चढ़ाव के आसार नहीं

कोलकाता,(आरएनएस)। गोल्ड पर डिस्काउंट खत्म हो गया है। गोल्ड पर 3 पर्सेंट जीएसटी लगाए जाने के एक महीने बाद मार्केट का मिजाज पॉजिटिव होने के बाद जूलर्स ने इस कीमती मेटल की स्टॉकिंग फिर शुरू कर दी है। डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती आने से गोल्ड की कीमतों में नरमी का रुझान बना है। इससे भी कंज्यूमर्स की दिलचस्पी गोल्ड में बढ़ी है। पहली जुलाई को जीएसटी लागू किए जाने के बाद से गोल्ड का दाम 2.41 पर्सेंट घटा है क्योंकि इस बीच डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती आई है, जिससे गोल्ड की लैंडेड कॉस्ट घटी है। जीएसटी से पहले और बाद के दाम का फर्म घटकर 200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया है। ऐसा गोल्ड की कीमत में गिरावट के कारण हुआ है। अभी 10 ग्राम गोल्ड का दाम 29500 रुपये हैं, जबकि जून में यह 29300 रुपये पर था, जब जीएसटी लागू होने से गोल्ड के महंगा होने के अनुमान से ज्वैलरी सेल्स में तेजी आ रही थी। गोल्ड ट्रेड एनालिस्ट भार्गव वैद्य ने ईटी से कहा, गोल्ड की डिमांड बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि दाम घटे हैं और कमोबेश स्थिर बने हुए हैं। यही वजह है कि गोल्ड पर डिस्काउंट खत्म हो गया है। मुझे नहीं लगता कि मौजूदा लेवल से प्राइसेज में ज्यादा गिरावट आएगी। इंटरनैशनल लेवल पर हो सकता है कि दाम 1250 डॉलर से घटकर 1230 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर आ जाए और हायर साइड पर हो सकता है कि यह 1280 डॉलर तक चला जाए। हालांकि अभी कीमतों के बढ़ने या घटने का कोई ट्रिगर नहीं दिख रहा है। दुनिया में ऐसी कोई बड़ी भू-राजनीतिक तनाव की स्थिति नहीं है, जिससे गोल्ड में रैली आए। अमेरिका में मॉनेटरी पॉलिसी में सख्ती आने के अनुमानों से डॉलर को सपोर्ट मिलने के बीच गोल्ड सोमवार को करीब दो हफ्तों के निचले स्तर पर बना रहा। पिछले सप्ताह अमेरिकी जॉब डेटा उम्मीद से ज्यादा दमदार रहा। इससे गोल्ड पर दबाव आ रहा है। स्पॉट गोल्ड 1257.51 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर लगभग सपाट रहा। शुक्रवार को इसने दो सप्ताहों का अपना निचला स्तर यानी 1254 डॉलर प्रति औंस टच किया था। इंडिया में जूलर्स का कहना है कि जुलाई के आखिरी सप्ताह में आयोजित इंडियन इंटरनैशनल जूलरी शो पर अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। ऋद्धिसिद्धि बुलियन के डायरेक्टर मुकेश कोठारी ने कहा, जूलर्स शो में बुक हुए ऑर्डर पूरे करने के लिए गोल्ड खरीद रहे हैं। वे आगामी फेस्टिव सीजन की डिमांड को देखते हुए भी स्टॉकिंग कर रहे हैं। इंडिया बुलियन एंड जूलर्स असोसिएशन के नैशनल डायरेक्टर सौरभ गाडगिल ने कहा कि ज्वैलरी सेक्टर में डिमांड बढ़ती दिख रही है। उन्होंने कहा, निवेश संबंधी मांग अपेक्षाकृत कम है। हो सकता है कि इक्विटी मार्केट में मजबूती के कारण ऐसा हो। हमारे लिए अच्छी बात यह है कि जीएसटी लागू होने के बाद गोल्ड के लिए कंजम्प्शन डिमांड दिख रही है।

थॉमस वाल्श बने न्यूजीलैंड के पहले विश्व चैंपियन

लंदन,(आरएनएस)। न्यूजीलैंड के थॉमस वाल्श ने गत विश्व चैंपियन जो कोवाक्स को पछाड़कर पुरुषों की शॉटपुट स्पर्धा का खिताब जीत लिया। इसके साथ ही वाल्श एथलेटिक्स की किसी भी स्पर्धा में विश्व खिताब जीतने वाले न्यूजीलैंड के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले सिर्फमहिलाओं के वर्ग में वैलेरी एडम्स ही यह उपलब्धि हासिल कर पाई थी। 32 वर्षीय वैलेरी चार बार विश्व चैंपियन और दो बार ओलंपियन चैंपियन रह चुकी हैं। रियो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता 25 वर्षीय वाल्श ने अंतिम प्रयास में 22.03 मीटर की दूरी नापकर करियर का पहला पीला तमगा जीता। हालांकि उन्होंने तीसरे प्रयास (21.75 मीटर) में ही यह पक्का कर लिया था। अमेरिका के कोवाक्स (22.08 मीटर) दूसरे और क्रोएशिया के स्टैप ज्यूनिक (21.46 मीटर) तीसरे स्थान पर रहे। यह 26 वर्षीय स्टैप का सीनियर स्तर पर पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है। ओलंपिक चैंपियन रेयान क्रेजर (21.20 मीटर) छठे स्थान पर रहे।

सिंकफील्ड शतरंज: आनंद ने अरोनियन से खेला ड्रॉ

सेंट लुई,(आरएनएस)। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने सिंकफील्ड शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथे ड्रॉ के साथ खुद को खिताब की दौड़ में बरकरार रखा है। आनंद ने आर्मेनिया के लेवोन अरोनियन के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली। अरोनियन के खिलाफ आनंद जीत तो नहीं दर्ज कर पाए, लेकिन इस खिलाड़ी को उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में काफी परेशान किया है। आनंद के लिए लगातार चौथा ड्रॉ अच्छा नतीजा है, क्योंकि पिछले कुछ समय में वह बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छी फॉर्म में नहीं रहे हैं। आनंद के चार मैचों में दो अंक हैं और एक जीत उन्हें खिताब का दावेदार बना सकती है। मैग्नस कार्लसन की हार से उनकी राह भी कुछ आसान हुई है। लगभग एक साल पहले अजेय माने जा रहे कार्लसन की फॉर्म में पिछले कुछ समय में ि-रावट आई है और उन्हें फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के खिलाफ जीत की स्थिति में होने के बावजूद शिकस्त का सामना करना पड़ा। एक अन्य निर्णय वाले मुकाबले में रूस के इयान नेपोमनियाची ने स्थानीय दावेदार हिकारू नकामूरा को हराकर पहली जीत दर्ज की। चौथे दौर के अन्य मुकाबलों में रूस के पीटर स्विडलर ने अमेरिका के वेस्ली सो से जबकि फैबियो कारूआना ने रूस के सर्जेई कर्जाकिन से ड्रॉ खेला। वाचियेर लाग्रेव संभावित चार में से तीन अंक के साथ एकल बढ़त बनाए हुए हैं। कारूआना 2.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। भारतीय ग्रैंडमास्टर आनंद के अलावा कार्लसन, कर्जाकिन, अरोनियन औरवेस्ली सो दो अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। नकामूरा, स्विडलर और नेपोमनियाची 1.5 अंक के साथ संयुक्त 8वें स्थान पर हैं।

गूंगा पहलवान को सुशील कुमार ने भैंस और घी देकर किया सम्मानित

नई दिल्ली,(आरएनएस)। डेफ ओलंपिक के पदक विजेता पहलवानों को सम्मानित करने के लिए दोहरे ओलंपिक मेडल विजेता सुशील कुमार आगे आए हैं। उन्होंने इन खेलों में पदक जीतने वाले पहलवानों-वीरेंद्र और अजय को यहां छत्रसाल स्टेडियम में सम्मानित किया। वीरेंद्र ने तुर्की में हुए डेफ ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था, जबकि अजय को ब्रॉन्ज मेडल हासिल हुआ था। दोनों पहलवान गुरु हनुमान अखाड़े में अभ्यास करते हैं। इस अवसर पर सुशील और उनके गुरु सतपाल ने वीरेंद्र को एक भैंस, 50 किलो बादाम और एक कनस्तर देसी घी के साथ सम्मानित किया, जबकि अजय को स्कूटी और बादाम-घी इनाम में दिए गए। सुशील ने कहा, 'उन्हें इन पहलवानों की कामयाबी पर गर्व है। इन्हें प्रोत्साहन की जरूरत है। वीरेंद्र से दंगल में कुश्ती लड़ चुके हैं और उनमें आगे बढ़ने की काफी संभावनाएं छिपी हैं।सतपाल ने भारत के स्वर्णिम अतीत का हवाला देते हुए कहा कि पहलवानों को आगे बढ़ाने के लिए व्यावसायिक घरानों का आगे आना अच्छा संकेत है। उन्होंने इन पहलवानों को राष्ट्र की धरोहर बताया। इन दोनों पहलवानों के कोच और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता महासिंह राव ने कहा कि यह वीरेंद्र का इन खेलों में तीसरा गोल्ड है। उन्होंने इससे पहले 2005 और 2013 में भी गोल्ड जीते थे, जबकि 2009 में उन्हें कांस्य पदक हासिल हुआ था।

विश्व एथलेटिक्स: टोरी बोवी बनीं नई विश्व चैंपियन

लंदन,(आरएनएस)। अमेरिका के जस्टिन गेटलिन ने शनिवार को नौ बार से अजेय जमैका के उसेन बोल्ट को चौंका कर पुरुषों की सौ मीटर रेस जीती तो रविवार को गेटलिन की हमवतन टोरी बोवी ने भी महिलाओं की सौ मीटर रेस इसी अंदाज में जीती। 26 वर्षीय टोरी ने भी ओलंपिक चैंपियन जमैका की एलेन थाम्पसन को पीछे छोड़ अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। थाम्पसन पांचवें स्थान पर रहीं। रियो ओलंपिक में थाम्पसन, टोरी को मात देकर ही चैंपियन बनीं थीं। टोरी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। पर लंदन में टोरी न सिर्फ विश्व चैंपियन बनीं, बल्कि थाम्पसन को बहुत पीछे छोड़ दिया। बोवी ने अंतिम क्षणों में आइवरी कोस्ट की मारी जोसी टा लाउ को पछाड़कर पीला तमगा जीता।

और फिनिशिंग लाइन पर गिर गईं टोरी

रेस पूरी करते ही बोवी ट्रैक पर गिर गईं। शुरुआत में आइवरी कोस्ट की मारी जोसी टा लाउ जश्न मना रही थीं, लेकिन बोर्ड पर बोवी को विजेता घोषित किया गया। बोवी ने 10.85 सेकेंड में रेस पूरी की, जबकि टा लाउ 10.86 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। नीदरलैंड्स की डेफने शिपर्स ने 10.96 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। थाम्पसन 10.98 सेकेंड के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

आखिरी हार से और भी महान हो गए सबसे तेज धावक उसेन बोल्ट

लंदन,(आरएनएस)। दुनिया के महानतम खिलाड़ियों की विदाई भी उनके करियर की तरह महानतम हो, यह जरूरी नहीं है। यह बात एक बार फिर से साबित हुई दुनिया के महानतम धावक कहे जाने वाले उसेन बोल्ट के संन्यास के मामले में। उसेन अपनी आखिरी रेस हार गए और तीसरे नंबर पर रहे, जबकि दुनिया भर के फैंस को उम्मीद थी कि वह गोल्ड मेडल के साथ विदाई लेंगे। इस तरह से वह क्रिकेट के महानतम बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन और दुनिया के महानतम मुक्केबाज मोहम्मद अली की लीग में शामिल हो गए। आपको बता दें कि बोल्ट की तरह इन दोनों महान खिलाड़ियों को भी अपने आखिरी मैच में निराशा का सामना करना पड़ा था। बोल्ट के करियर की आखिरी 100 मीटर रेस में वह जस्टिन गैटलिन और क्रिस्टियान कोमलन के बाद तीसरे नंबर पर रहे। वहीं, ब्रैडमैन की बात करें को उन्हें अपनी आखिरी पारी में चार रन बनाने थे ताकि उनका टेस्ट बल्लेबाजी औसत 100 तक पहुंच जाए, लेकिन वह शून्य पर आउट हो गए। इसी तरह महान मुक्केबाज मोहम्मद अली अपने करियर की आखिरी बाउट में कम फेमस बॉक्सर ट्रेवर बर्बिक से हार गए थे। हालांकि, आखिरी हार से इन दोनों खिलाड़ियों की महानता पर कोई असर नहीं पड़ा। ठीक इसी तरह बोल्ट की उपलब्धियां उनकी इस हार से कम नहीं मानी जा सकतीं। 30 साल के बोल्ट ने लंदन में (9.95 सेकंड) का समय निकाला। यह 2013 के बाद 100 मीटर रेस में उनकी पहली हार रही। उनको अपनी अंतिम रेस में खराब शुरुआत का नुकसान उठाना पड़ा। उनका रिएक्शन टाइम 0.183 सेकंड था जो 8 धावकों में दूसरा सबसे खराब समय था। अगले शनिवार यानी 12 अगस्त को 4×100 मीटर रिले रेस के बाद एथलेटिक्स से रिटायरमेंट ले रहे बोल्ट अपने 12वें वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन वह अमेरिका के 35 साल के जस्टिन गैटलिन (9.92 सेकंड) और अमेरिका के ही 21 साल के क्रिस्टियान कोलमन (9.94 सेकंड) के बाद तीसरे नंबर पर रहे।

सो रही दो महिलाओं की चोटी कटी, दहशत में लोग

रुद्रपुर,(आरएनएस)। रुद्रपुर के भुरारानी गांव में आज सुबह सो कर उठी महिला अपनी चुटिया कटी देखकर बेहोश हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। महिला को बेहोशी की हालत में आपातकाल सेवा 108 द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। काशीपुर के ग्राम गुलड़िया में फिर चोटी कटने का मामला सामने आया है। भुरारानी कॉलोनी निवासी प्रदीप अपनी पत्नी सुमन के साथ रात को घर का दरवाजा बंद कर सो गया। मध्य रात्रि उसकी पत्नी सुमन टॉयलेट के लिए उठी तो उसके सिर में दर्द हो रहा था। उसके बाद वह सो गई। लगभग छह बजे जब उसकी नींद खुली तो तकिए के पास अपनी कटी चोटी देख उसकी चीख निकल गयी और वह वहां बेहोश होकर गिर गयी। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और उन्होंने लोगों से पूछताछ की। आपातकाल सेवा 108 द्वारा उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सको का कहना है कि वह घबराई हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उधर, ग्राम गुलड़िया में फिर चोटी कटने का मामला सामने आया है। अब उधम सिंह नगर में यह पांचवीं घटना है। इससे लोग सहमे हुए हैं। गुलड़िया निवासी मोहम्मद फुरकान बंगलुरू में पढ़ाते हैं। दो दिन पहले घर आए फुरकान ने बताया कि उनकी 14 वर्षीय बेटी रहनुमा, बेटा मोहम्मद कैफव अयान सोमवार रात कमरे में सो रहे थे और वह कमरे के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे रेहनुमा की चीखने की आवाज आई। जब वह उठकर उसके पास गया तो उसकी चोटी चारपाई पर कटी पड़ी थी। करीब आधे घंटे तक रेहनुमा अर्द्ध बेहोशी की हालत में पड़ी थी। उसे करीब आधे घंटे तक तेज बुखार था। रेहनुमा का कहना था कि जब उसकी चोटी काटी जा रही थी तो उसे चोटी काटने का हाथ दिखा और उसके हाथ में सफ़ेद कैंची दिखी। इस घटना से रेहनुमा के साथ परिजन सहमे हुए हैं। सूचना पर मौके पर पैगा पुलिस ने कटी चोटी उठा लाई। इधर, सूचना पर ग्रामीण पहुंचकर घटना की जानकारी ली। यहां बता दें कि सोमवार को काशीपुर के ग्राम हरिनगर ढकिया कला, रुद्रपुर के कृष्णा कालोनी, किच्छा के शंकर फार्म और जसपुर में मोहगा नई बस्ती में चोटी कटने का मामला सामने आया था।

Business News / बिजनेस न्यूज

एक साल से भी कम में रेलवे को फ्लेक्सी फेयर से 540 करोड़ रुपये की कमाई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। रेलवे ने फ्लेक्सी फेयर स्कीम के तहत एक साल से भी कम समय में 540 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व हासिल कर लिया है। फिलहाल रेल विभाग का इस योजना को बंद करने का कोई इरादा नहीं है। पिछले साल 9 सितंबर को शुरू की गई इस योजना के तहत 42 राजधानी, 46 शताब्दी और 54 दूरंतो ट्रेनों में केवल दस फीसद सीटें सामान्य कीमत की होती हैं, लेकिन उसके बाद बची हुई हर दस फीसद बर्थ के किराये में दस फीसद का इजाफा होता जाता है। लेकिन, यह कीमत 50 फीसद से अधिक नहीं बढ़ाई जा सकती है। पिछले साल दिसंबर में इस योजना की समीक्षा हुई थी और तब से आखिरी क्षणों में सफर करने वाले यात्रियों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न श्रेणियों के डिस्काउंट दिये जाने लगे हैं। इन प्रमुख ट्रेनों से 30 फीसद का तत्काल शुल्क भी घटा कर दस फीसद ही कर दिया गया है। राजधानी, शताब्दी और दूरंतो में आखिरी समय में यात्रियों को आकर्षित करने के लिये इन ट्रेनों की खाली बची बर्थ पर बेसिक किराये में दस फीसद की छूट दी जाने लगी है। इसके अलावा भी कुछ टेनों में डिस्काउंट स्कीमें चलाई जा रही हैं। भारतीय रेलवे की तरफ से लागू की गई फ्लेक्सी फेयर प्रणाली पूरी तरह से मांग-आपूर्ति पर निर्भर होती है। इसके तहत जिस समय टिकट की मांग ज्यादा होती है उस वक्त टिकट की कीमतें बढ़ा दी जाती है। ऐसा त्योहारी सीजन में ही होता है। वहीं, दूसरी ओर जब टिकट की मांग कम हो जाती हैं तब कीमतें सामान्य हो जाती हैं। अब तक हवाई जहाज की टिकटों में ऐसा होता था। आपको बता दें कि ट्रेन में फर्स्ट एसी और एग्जिक्यूटिव कैटेगरी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होता है। इसमें शुरुआत में पहली 10 फीसद सीटों के लिए सामान्य किराया लागू होता है, इसके बाद प्रत्येक 10 फीसद बर्थ की बुकिंग के बाद किरायों में 10 फीसद की बढ़ोतरी कर दी जाती है। मांग के आधार पर इसमें अधिकतम 50 फीसद तक किराया बढ़ता है। सेकेंड एसी और चेयरकार के लिए अधिकतम 50 फीसद की बढ़ोतरी होती है। वहीं थर्ड एसी के लिए यह सीमा 40 प्रतिशत अधिक होती है। अन्य चार्जेस जैसे कि आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट शुल्क, कैटरिंग शुल्क और सेवा कर में बदलाव नहीं होता है।

सरकारी बैंकों ने 5 वर्षों में अपने 2.5 लाख करोड़ के फंसे कर्ज को बट्टे खाते में डाला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। पिछले पांच वित्त वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये के फंसे कर्ज (एनपीए) बट्टे खाते में डाल दिये यानी इन कर्जों की वसूली नामुमकिन मानकर उनके लिए धनराशि का प्रावधान किया। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के हवाले से वित्त मंत्रलय ने दी है। भारतीय स्टेट बैंक और उसके पांच सहयोगी बैंकों समेत 27 सार्वजनिक बैंकों ने बीते वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान 81,683 करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले। पिछले पांच साल में यह सर्वाधिक राशि है। इससे पिछले वित्त वर्ष में बट्टे खाते में डाली गई राशि के मुकाबले यह 41 फीसद ज्यादा है। एसबीआइ समूह ने इस दौरान 27,574 करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले। मौजूदा वित्त वर्ष में पहले दिन यानी एक अप्रैल को सहयोगी बैंकों का एसबीआइ में विलय हो गया। बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाली गई राशि के बारे में जारी रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक सार्वजनिक बैंकों ने वित्त वर्ष 2012-13 में 27,231 करोड़, 2013-14 में 34,409 करोड़, 2014-15 में 49,018 करोड़, 2015-16 में 56586 करोड़ और 2016-17 में 81,683 करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले। बीते वित्त वर्ष में पंजाब नेशनल बैंक ने 9205 करोड़, बैंक ऑफ इंडिया ने 7346 करोड़ और केनरा बैंक ने 5545 करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले। इसी तरह बैंक ऑफ बड़ौदा ने 4348 करोड़, कॉरपोरेशन बैंक ने 3574 करोड़, इंडियन ओवरसीज बैंक ने 3066 करोड़ और आइडीबीआइ बैंक ने 2868 करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले।

सेंसेक्स 23 अंक चढ़कर 32297 के स्तर पर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मंगलवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में मामूली बढ़त देखने को मिल रही है। करीब 9.45 बजे प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 23 अंक की बढ़त के साथ 32297 के स्तर पर और निफ्टी 12 अंक की बढ़त के साथ 10,069 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर मिडकैप में 0.09 फीसद की बढ़त और स्मॉलकैप में 0.12 फीसद की कमजोरी देखने को मिल रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मिले जुले संकेतों के चलते तमाम एशियाई बाजारों में कमजोरी देखने को मिल रही है। जापान का निक्केई 0.37 पीसद की कमजोरी के साथ 19981 के स्तर पर, चीन का शांधाई 0.20 फीसद की कमजोरी के साथ 3273 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.16 फीसद की कमजोरी के साथ 2394 के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं, चीन का हैंगसैंग 0.12 फीसद की बढ़त के साथ 27723 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी भाजर की बात करें तो बीते सामवार के सत्र में बाजार के तेजी के साथ कारोबार कर बंद हुआ है। प्रमुख सूचकांक डाओ जोंस 0.12 फीसद की तेजी के साथ 22118 के स्तर पर, एसएंडपी500 0.16 फीसद की बढ़त के साथ 2480 के स्तर पर और नैस्डैक 0.51 फीसद की तेजी के साथ 6383 के स्तर पर कारोबार कर बंद हुआ है। सेक्टोरियल इंडेक्स की बात करें तो बैंक, फाइनेंशियल सर्विस और रियल्टी सेक्टर को छोड़ सभी सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। ऑटो सेक्टर के शेयर्स में खरीदारी देखने को मिल रही है।